DSSSB TGT & PGT
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
ROJGAR ANKIT
Part-B
SCHOLAR BATCH
संस्कृत
ध्वनि संबंधी महत्वपूर्ण नियम
Part -2
LIVE 17-04-2024 05:00 PM

ध्वनि-नियम (Phonetic Laws)

ध्वनि-नियम की परिभाषा —किसी भाषा - विशेष में किसी काल-विशेष में कुछ विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत हुए विशेष प्रकार के ध्वनि परिवर्तनों को ध्वनि-नियम कहते हैं।

विशिष्ट ध्वनि-नियम—यहाँ पर कतिपय विशिष्ट ध्वनि-नियमों का ही वर्णन किया जा रहा है। ये हैं

(१) ग्रिम-नियम **(Grimm's Law)**

(२) ग्रासमान - नियम **(Grassmann's Law)**

(३) वर्नर-नियम **(Verner's Law)**

(४) तालव्य-नियम **(Palatal Law)**

(५) मूर्धन्य - नियम **(Cerebral Law)**

ग्रिम – नियम

'रास्क' और 'ईरि' नामक विद्वानों द्वारा इसका सूत्र पहले ही ढूंढ लिया गया था किन्तु जर्मन विद्वान् 'याकोब ग्रिम' द्वारा उसे व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक रूप दिया गया ।

➢ इस नियम को दो चरणों में स्पष्ट किया गया है-

प्रथम परिवर्तन	द्वितीय परिवर्तन
भारोपीय भाषा	निम्न जर्मन भाषा
से	से
जर्मन भाषा	उच्च जर्मन भाषा
(प्रागैतिहासिक काल)	(सातवीं शताब्दी)
घ् ध् भ ग द ब् क् त् प्	ग द ब्, ख् थ् फ्, क् त् प

ग्रिम नियम

- इस नियम को दो चरणों में स्पष्ट किया गया है-

प्रथम परिवर्तन घ् ध् भ ग द ब् क् त् प	द्वितीय परिवर्तन ग द ब्, ख् थ फ्, क् त् प
1. अघोष अल्पप्राण से अघोष महाप्राण	1. घोष अल्पप्राण से अघोष अल्पप्राण
2. घोष महाप्राण से घोष अल्पप्राण	2. अघोष अल्पप्राण से अघोष महाप्राण
3. घोष अल्पप्राण से अघोष अल्पप्राण	3. घोष महाप्राण से घोष अल्पप्राण

ग्रिम नियम - प्रथम ध्वनि परिवर्तन

1. अघोष अल्पप्राण से अघोष महाप्राण -

क्	त्	प्
ख्	थ्	फ्

1 - 2
1 - 2

संस्कृत (मूल भारोपीय)
अंग्रेजी (जर्मन मूल)

जैसे-

त्रि - थ्री (Three) (त् - थ्)

पद - फुट (Foot) (प- फ)

2. घोष अल्पप्राण से अघोष अल्पप्राण वर्ण

ग द् ब्

क् त् प्

जैसे-

गो - काउ (Cow) (ग – क)

द्वौ - ट्वो (Two) (द – त्)

दश- टेन (Ten) (द - त)

3. घोष महाप्राण (चतुर्थ वर्ण) से घोष अल्पप्राण वर्ण

घ् ध् भ ४ - ३

ग द ब्

जैसे-

घन - गोस (Goose) (घ् – ग)

बन्ध - बन्द (Band) (ध् – द)

भ्राता - ब्रादर (Brother) (भ ब्)

मूल-भारोपीय भाषा की ध्वनियाँ (संस्कृत, ग्रीक, लैटिन आदि)	भारोपीय जर्मनिक भाषा में (गाथिक, अंग्रेजी, डच, निम्न जर्मन आदि)
➢ सघोष महाप्राण घ् ध् भ्	सघोष अल्पप्राण ग् द् ब्

सघोप अल्पप्राण ग् द् ब्	अघोष अल्पप्राण क् त् प्
अघोष अल्पप्राण क् त् प्	(अघोषमहाप्राण) ख (ह्) थ् (त्स्/स्स्) फ्

ग्रिम-नियम के प्रथम वर्ण-परिवर्तन के कतिपय उदाहरण

क्र.सं.	भारोपीय (संस्कृत)	परिवर्तनशील ध्वनि	जर्मनिक (अँग्रेजी)	परिवर्तनशील ध्वनि	हिन्दी अर्थ
1.	घन (मूल भा. घन्स से संस्कृत हंस)	घ्	Goose = गूज	ग्	हंस (पक्षी)
2.	विधवा	ध्	Widow = विडो	द्(ड्)	विधवा
3.	भ्रातृ	भ्	Brother=ब्रादर	ब्	भाई

DSSSB TGT & PGT संस्कृत SCHOLAR BATCH

4.	गो	ग्	Cow =काउ	क्	गाय
5.	दश	द्	Ten =टेन	त्	दश
6.	बाधन्	ब्	Pain= पेन	प्	पीडा
7.	कः	क्	Who = हूं	ह्(ख्)	कौन
8.	त्रि	त्	Three=थ्री	थ्	तीन
9.	पितृ	प्	Father=फादर	फ्	पिता

द्वितीय वर्ण-परिवर्तन

२. द्वितीय वर्ण-परिवर्तन (Second sound shifting) — द्वितीय वर्ण-परिवर्तन ७वीं और ८वीं शती ई० में हुआ है। यह वर्ण- परिवर्तन केवल जर्मन भाषा के ही दो रूपों उच्च और निम्न में हुआ है। निम्न जर्मन की प्रतिनिधिभाषा अंग्रेजी है। यह परिवर्तन निम्न जर्मन और अंग्रेजी से उच्च जर्मन में हुआ है। निम्न जर्मन की कुछ ध्वनियाँ उच्च जर्मन में भिन्न हो गई हैं। ऊपर दिए गए त्रिकोण के अनुसार प्रथमवर्ण- परिवर्तन में एक पग आगे चलते हैं। द्वितीयवर्ण परिवर्तन में एक पग और आगे चलते हैं।

DSSSB TGT & PGT संस्कृत SCHOLAR BATCH

निम्न जर्मन (Low German) और उच्च जर्मन (High German) के विषय में यह स्मरण रखना चाहिए कि यह अन्तर उच्च वर्ग और निम्न वर्ग से, अर्थात् व्यक्तियों से, नहीं है। जर्मनी का उत्तरी भाग समतल और नीचा है, अतः वहाँ बोली जाने वाली भाषा 'निम्न जर्मन' कही जाती है। निम्न जर्मन और अंग्रेजी में प्रथम वर्ण-परिवर्तन वाली ध्वनियाँ समान हैं। निम्न जर्मन की शाखाएँ हैं अंग्रेजी, डच, डैनिश, नार्वेई, स्वीडिश आदि । जर्मनी में दक्षिणी पहाड़ी भाग में बोली जाने वाली भाषा को 'उच्च जर्मन' कहते हैं, क्योंकि यह ऊँचे पर्वतीय भाग में बोली जाती है ।

वर्ण-परिवर्तन को इस प्रकार रखा जा सकता है—मूल भारोपीय भाषा (मू० भा०) > संस्कृत (सं०), ग्रीक (ग्री०), लैटिन (लै०) > निम्न जर्मन (निज),

अंग्रेजी (अं) > उच्च जर्मन (उ ज)। संस्कृत के वर्ग के चतुर्थ घ ध भ ग्रीक और लैटिन में द्वितीय वर्ण अर्थात् ख थ फ हो जाते हैं । अतः उपर्युक्त त्रिकोण में चतुर्थ और द्वितीय वर्णों को एक स्थान पर रखा गया है।

जर्मन की ही दो शाखाओं में परिवर्तन हुआ

निम्न जर्मन की ध्वनियाँ	ख् थ् फ् ग् द् ब् क् त् प्
उच्चजर्मन की ध्वनियाँ में परिवर्तित	ग् द् ब् क् त् प् ख्(ह्) थ् फ्

2- 3 1- 2
3- 1

1 - 2
2 - 3
3 - 1

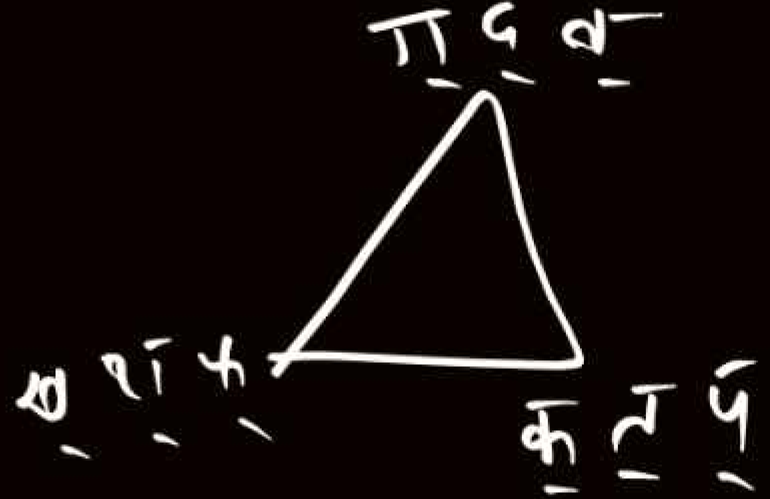

क - ख - ग → क
त - रा → ध → त
प - फ → व → प

1 - 2
2 - 3
4 - 3
3 - 1

ख - ग
ख - ध
ख - व

द्वितीय वर्ण

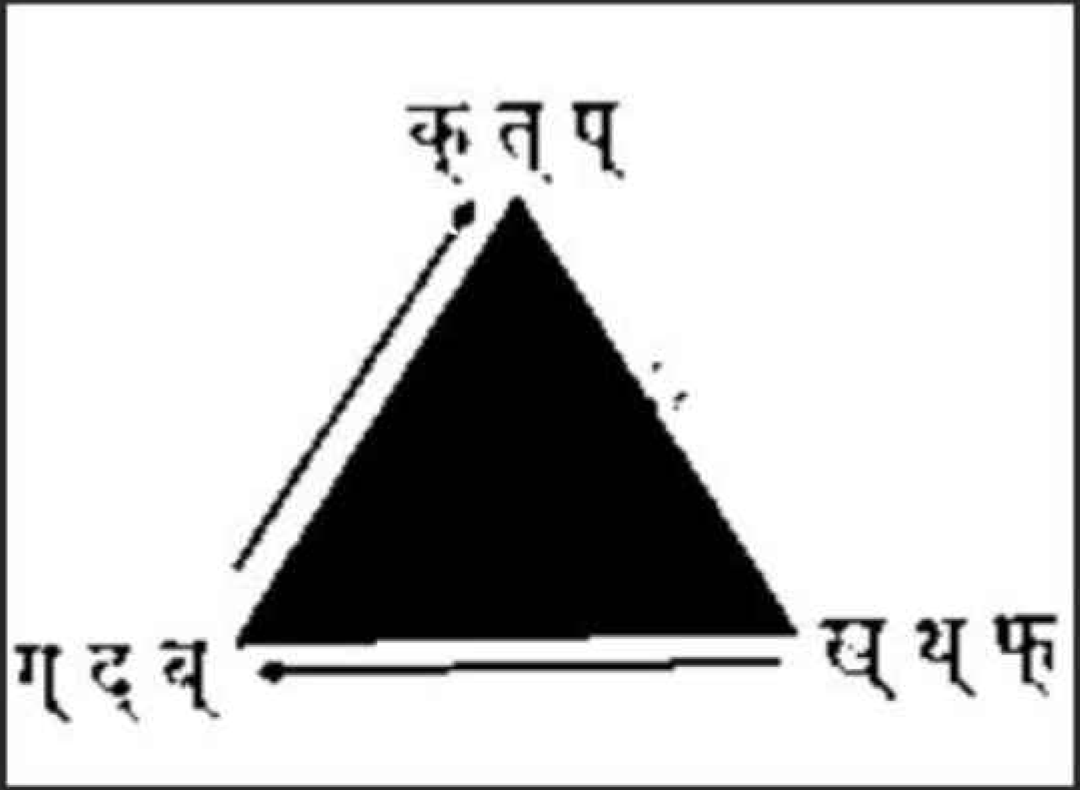

ग्रिम नियम – प्रथम ध्वनि परिवर्तन

➢ ध्वनि परिवर्तन के ग्रिम नियम को अधोदत्त रेखाचित्र से भी समझा जा सकता है-

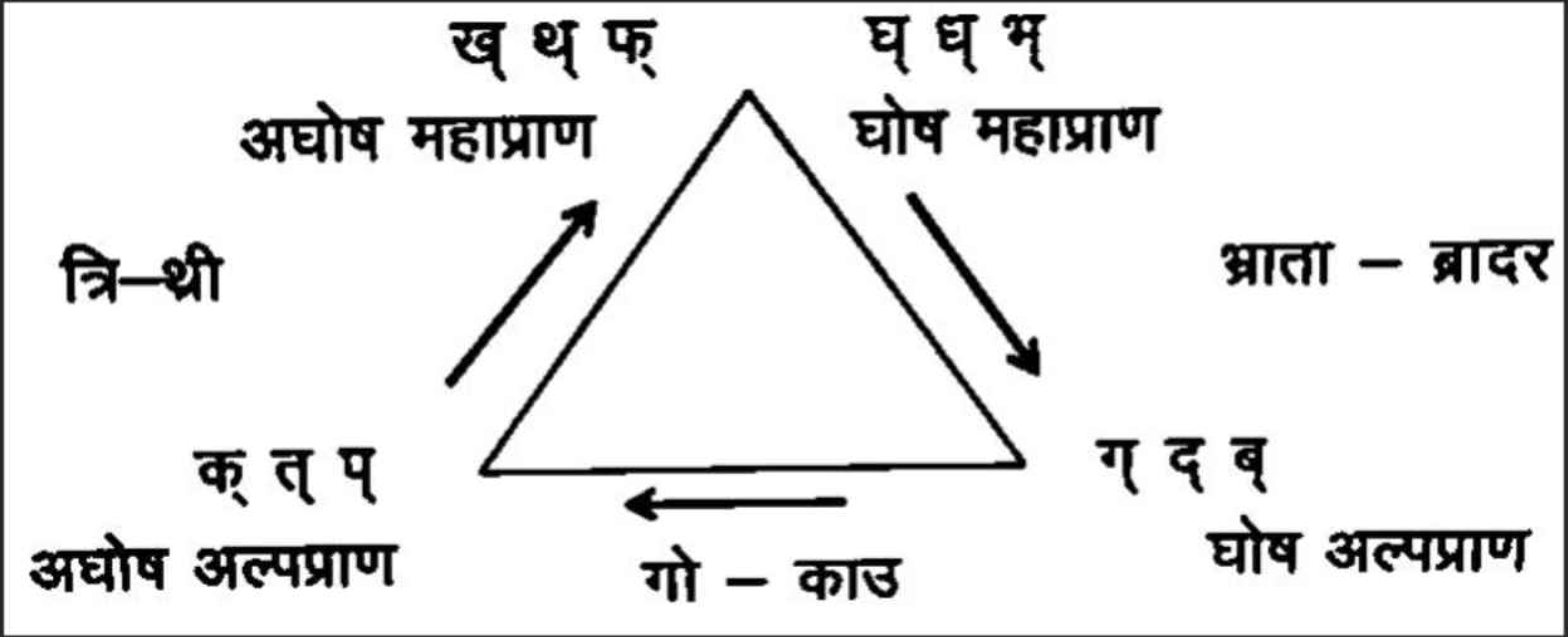

ग्रिम नियम – द्वितीय ध्वनि परिवर्तन

- इसका सम्बन्ध केवल जर्मन भाषा से है ।
- यह परिवर्तन सातवीं शताब्दी में निम्न जर्मन से उच्च जर्मन भाषा में परिवर्तन हुआ है ।
- इसका सम्बन्ध भी 9 ध्वनियों (ग् द् ब्, ख् थ् फ्, क् त् प्) के परिवर्तन से है-

ग्रिम नियम - द्वितीय ध्वनि परिवर्तन

1. घोष अल्पप्राण से अघोष अल्पप्राण

3	ग्	द्	ब्
↓			
1	क्	त्	प्

जैसे-

गुड (Good) - गूट (Guht) (द् - त्)

डे (Day) – टाक (Tag) (द- त्)

ग्रिम नियम - द्वितीय ध्वनि परिवर्तन

3. अघोष महाप्राण से घोष अल्पप्राण से वर्ण

ख	थ्	फ्
ग	द	ब्

जैसे-

श्रीं (Three) – द्रेइ (Drei) (थ् – द्)

नार्थ (North) - नोरदेन (Northen) (थ् – द्)

➢ द्वितीय ध्वनि परिवर्तन के ग्रिम नियम को अधोदत्त रेखाचित्र से भी समझा जा सकता है-

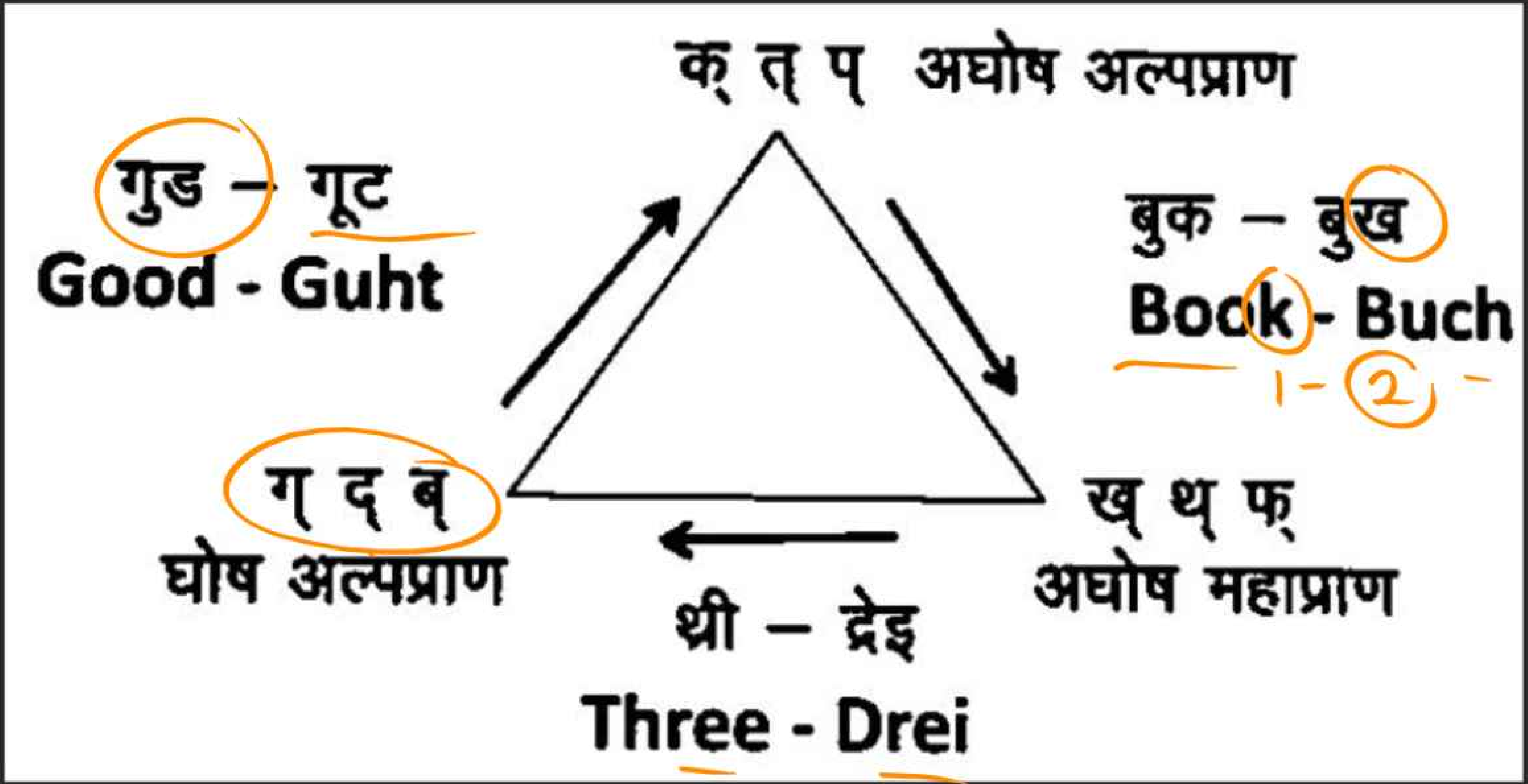

द्वितीय वर्ण-परिवर्तन

जर्मन की ही दो शाखाओं में परिवर्तन हुआ

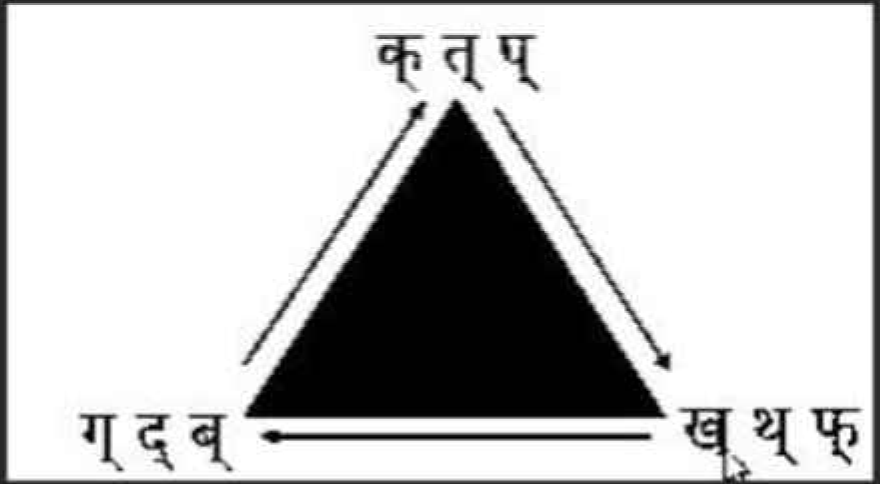

निम्न जर्मन की ध्वनियाँ - ख थ् फ् ग ब् क त् प्

उच्चजर्मन की ध्वनियों में परिवर्तित - ग् द् ब् क् त् प् ख्(ह्) थ् फ्

DSSSB TGT & PGT संस्कृत SCHOLAR BATCH

ध्वनि-परिवर्तन	अंग्रेजी	जर्मन	अर्थ
1. k—ch, ख्	Book	Buch, बुख	पुस्तक
	Cook	coch, कोख	रसोइया
2. t-s, ss, स्	Out	ous, आउस	बाहर
3. pf, pf, प्फ	Up	Auf, आउफ	ऊपर
ff, फ्फ	Apple	Apfel, आप्फेल	सेव
	open	offen, ओफ्फेन	खोलना
4. h - g, ग्	Hostis (लै0)	Gast, गास्ट	अतिथि

DSSSB TGT & PGT संस्कृत SCHOLAR BATCH

5. th – d,द्	three	Drei,द्राई	तीन
	Thick	Dick, डिक	मोटा
6. v – f b, ब्	Whife	weib,वाइब	पत्नी
	Give	geben, गेबेन	देना
7. g – ck, क्	bridge	brucke, ब्र्यूक	पुल
8. d – t, त्	God	gott, गोट्ट	ईश्वर

1. ग्रिमनियमानुसारेण तवर्गीयध्वनीनां परिवर्तनक्रमोऽस्ति-

(A) द> ध> ध> थ> थ> त

(B) त> थ >द> ध> ध> त

(C) थ > ध > त > द> ध> द

(D) त > थ > ध > द> द> त

2. ग्रिमनियमानुसारेण प्रथमवर्णपरिवर्तने तवर्गीय-ध्वनीनां कः परिवर्तनक्रमोऽस्ति ?

(A) त→थ, द, →त, ध→द

(B) त→य, द→त, ध→द

(C) त→द, द→थ, थ→द

ग्रासमैन-नियम (ग्रिम-नियम में संशोधन)

दो सन्निकृष्ट महाप्राण ध्वनियाँ एक साथ नहीं रहतीं, इनमें प्रथम अल्पप्राण हो जाती है --

मूलभारोपीय

भभार

बभार (संस्कृत) पेफुका (ग्रीक)

मूलभारोपीय

धधामि

दधामि (संस्कृत) तिथेमि (ग्रीक)